कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

वर्षांत समीक्षा 2022: कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

पिछले एक साल में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 3.0 के तहत 7.36 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया; कोविड योद्धाओं के लिए अनुकूलित क्रैश कोर्स कार्यक्रम के तहत 1.20 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया

2022 में 1957 कौशल केंद्रों में 2.28 लाख छात्रों ने दाखिला लिया

116 सरकारी आईटीआई को ड्रोन कोर्स चलाने की मंजूरी दी गई है

राष्ट्रीय, राज्य और आईटीआई स्तर पर 14,000 से अधिक आईटीआई के लिए 17 सितंबर 2022 को 8.5 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं के लिए वर्चुअल रूप से 11 लाख की भागीदारी के साथ पहला दीक्षांत समारोह

10 हजार कामकाजी महिलाओं और आईटीआई की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है

Posted On: 30 DEC 2022 6:40PM by PIB Delhi

1. **एमएसडीई का प्रमुख कौशल विकास कार्यक्रम 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना'** को 2015 में उद्योग प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण लेने के लिए बड़ी संख्या में युवाओं को जुटाने, प्रशिक्षित करने, प्रमाणित करने के लिए शुरू किया गया था। आरपीएल अपनी तरह की एक पहल थी जिसने मौजूदा कुशल वर्ग को प्रमाणीकरण के साथ मान्यता दी

पीएमकेवीवाई 3.0 को 15 जनवरी 2021 को निम्नलिखित तीन घटकों में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए लॉन्च किया गया था:

- स्कूल/कॉलेज में बीच में ही पढ़ाई छोड़ने वालों और बेरोजगार युवाओं को नए कौशल के लिए लघु अवधि प्रशिक्षण (एसटीटी)।
- मौजूदा कौशल को पहचानने के लिए पूर्व शिक्षण की मान्यता।
- कमजोर समूहों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष परियोजनाएं और अल्पकालिक प्रशिक्षण के संचालन में कुछ लचीलेपन की अनुमति।
- इसे ... य कौशल विक... गम (एनएसडीस... र राज्य कौशल ... स मिशन (एसए... म)

द्वारा पूरे देश में लागू किया गया था।

- उभरती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की छह कार्य भूमिकाओं में कोविड योद्धाओं के प्रशिक्षण के लिए अनुकूलित क्रैश कोर्स कार्यक्रम शुरू किया गया।
- शैक्षणिक संस्थानों में मौजूदा बुनियादी ढांचे का उपयोग करने और एनईपी 2020 के अनुरूप, पीएमकेवीवाई 3.0 के तहत स्किल हब पहल भी शुरू की गई थी।
- दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल लक्ष्य के अनुरूप योजना के तहत 7.36 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है, जिनमें से 1.20 लाख उम्मीदवारों को कोविड योद्धा बनाने के लिए अनुकूलित क्रैश कोर्स कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है।

स्किल हब: कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के परामर्श से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0 (पीएमकेवीवाई 3.0) के तहत 'स्किल हब इनिशिएटिव' को लागू करने की योजना बनाई है। योजना का उद्देश्य शिक्षा को और अधिक प्रासंगिक बनाना और उद्योग के अनुकूल कुशल कार्यबल तैयार करना है।

स्किल हब नोडल स्किल सेंटर हैं, जिनकी पहचान कक्षा 6-8वीं (उन्मुखीकरण, उद्योगों का दौरा, बैग-लेस डेज़ के माध्यम से वर्ल्ड-ऑफ-वर्क का परिचय), 9वीं से 12वीं (लक्षित छात्रों को कौशल विकास के अवसरों से अवगत कराना), स्कूल छोड़ चुके और शिक्षा से दूर रहे लोगों (अकादमिक क्रेडिट के लिए लक्षित, शिक्षा की मुख्यधारा में वापस आना और या शिक्षुता और रोजगार संपर्क) को कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने वाले के रूप में हुई है।

पिछले एक वर्ष में, अब तक खोले गए 1957 स्किल हब में 2.28 लाख छात्रों ने सरकारी स्कूलों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, जवाहर नवोदय विद्यालय, आईटीआई, सीबीएसई स्कूलों, प्रधान मंत्री कौशल केंद्रों में दाखिला लिया।

2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को फिर से सक्रिय करना: आजादी के पहले के समय से कौशल प्रशिक्षण में एक मजबूत इक्विटी होना

- ड्रोन कोर्स:- 116 सरकारी आईटीआई को ड्रोन कोर्स चलाने की मंजूरी दी गई है।
- प्रशिक्षण की दोहरी प्रणाली: 274 सरकारी आईटीआई को डीएसटी चलाने की मंजूरी दी गई है।
- राज्य कौशल विकास एवं उद्यमिता समिति (एसएसडीईसी) के गठन से संबद्धता प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।
- राष्ट्रीय, राज्य और आईटीआई स्तर पर 14,000 से अधिक आईटीआई के लिए 17 सितंबर 2022 को 8.5 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं के लिए वर्चुअल रूप से 11 लाख की भागीदारी के साथ पहली बार दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने की और प्रधानमंत्री ने वर्चुअली संबोधित किया।
- आईटीआई प्रशिक्षुओं के लिए परीक्षा का तरीका पारंपरिक मोड (ओएमआर आधारित) से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप परिणाम तैयार करने का समय 15 दिनों तक कम हो गया।
- एपीआई के माध्यम से एनआईओएस, इग्नू और अप्रेंटिसशिप (शिक्षुता) में प्रशिक्षुओं को पंजीकृत करने के लिए एक-क्लिक समाधान कार्यान्वयन, जिससे काम करने में आसानी हुई। 3 महीने की छोटी अवधि में 3 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं ने पंजीकरण कराया।
- सत्र 2022-23 के लिए, 73 नए सरकारी प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीओटी) संबद्ध किए गए, जिससे सीआईटीएस के तहत बैठने की क्षमता 2320 तक बढ़ गई।
- रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) योजना के तहत सत्र 2022-23 के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 8,292 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया।
- 21 एनएसटीआई को उद्यमिता पाठ्यक्रमों के लिए एनआईईएसबीयूडी केंद्रों के रूप में पंजीकृत किया गया है और 35 आईटीआई को एनआईओएस और इग्नू के रूप में प्रमाणित किया गया है।

शिक्षा और डिग्री प्रमाणन पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत किया गया है।

राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे के साथ डीजीटी योग्यता का मिलान करने के लिए, एनईपी 2020 के अनुदेनजर, डीजीटी ने सीटीएस पाठ्यक्रमों के सांकेतिक घंटों को वर्तमान वार्षिक 1,600 घंटे से 1,200 घंटे (एक और दो साल के ट्रेडों के लिए) और स्कूल तथा उच्च शिक्षा के अनुरूप छह माह के लिए 800 घंटे से 600 घंटे तक तर्कसंगत बनाया है। इसके अलावा, अब सीटीएस पाठ्यक्रम में नौकरी के लिए तैयार रहने के लिए बेहतर उद्योग तालमेल के लिए प्रत्येक वर्ष में 60 घंटे का ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (ओजीटी)/समूह परियोजना और 240 घंटे तक के वैकल्पिक पाठ्यक्रम (10वीं/12वीं कक्षा के प्रमाणपत्र के लिए एनआईओएस के माध्यम से पाठ्यक्रम या 240 घंटे तक के अल्पावधि पाठ्यक्रम जोड़ें) हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) के साथ एमओयू - नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (एनटीसी) धारक के लिए ओपन पाथवे या एनएसक्यूएफ अनुरूप ट्रेडों में सीटीएस के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए, एनआईओएस द्वारा क्रमशः 8वीं और 10वीं पास के लिए माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए एमओयू।

- इग्नू के साथ समझौता ज्ञापन- एमएसडीई ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य एनएसटीआई, आईटीआई, जेएसएस और पीएमकेके आदि जैसे कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के उम्मीदवारों के लिए योजना की परिकल्पना और परिकल्पित ढांचे को लागू करना है ताकि उन्हें पंजीकरण करने और अपनी स्नातक की डिग्री पूरी करने का एक मार्ग प्रदान किया जा सके।
- स्किल हब पहल और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0 के तहत स्ट्राइव आईटीआई द्वारा 15,000 से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

3. **डिजिटल स्किलिंग:**

- अक्टूबर 2019 में शुरू किया गया 'भारतस्किल्स' कौशल के लिए एक केंद्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी है जो एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम सामग्री, वीडियो, प्रश्न बैंक और आईटीआई/एनएसटीआई के छात्रों और प्रशिक्षकों के लिए 06 भाषाओं में मॉक टेस्ट प्रदान करता है। यह पोर्टल प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं को किताबों, अभ्यास पत्रों, शिक्षण वीडियो तक आसान पहुंच बनाने में मदद करता है। इससे उन्हें कक्षा के बाहर भी अपने विषयों को आसानी से सीखने में सक्षम बनाता है। 10 दिसंबर 2022 तक उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 1.96 करोड़ से अधिक हिट के साथ 47.66 लाख है।
- उद्योग के लिए प्रशिक्षुओं को तैयार करने के लिए उद्योग भागीदारों- आईबीएम, सिस्को, क्वेस्ट एलायंस, माइक्रोसॉफ्ट, नैसकॉम, एडोब आदि द्वारा रोजगार कौशल और नए युग के उन्नत कौशल के लिए विभिन्न अन्य कार्यक्रमों के लिंक भारतस्किल्स पोर्टल पर प्रदान किए गए हैं। इन डिजिटल कार्यक्रमों से लगभग 17 लाख प्रशिक्षु लाभान्वित हुए हैं।
- अब तक प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या: ~17 लाख

क्रम संख्या	उद्योग भागीदार	प्रशिक्षित प्रशिक्षु
1	आईबीएम इंडिया	11,34,684

2	सिस्को	11,666
3	क्वेस्ट एलायंस	4,88,035
4	माइक्रोसॉफ्ट	39,222
5	एसएपी	1,110
6	एडोब	24,360
कुल		16,99,077

- भारतस्किल्स को ई-गवर्नेंस योजना 2021-2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के तहत "नागरिक केंद्रित सुविधा वितरण में उत्कृष्टता" श्रेणी के तहत रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही, नेशनल स्किल्स नेटवर्क द्वारा भारतस्किल्स को डिजिटल स्किलिंग के लिए नंबर 1 स्किल पोर्टल का दर्जा दिया गया है।

- **ईस्किलइंडिया के माध्यम से कोविड-19 के प्रति जागरूकता पैदा करना**

  a. कोविड फ्रंटलाइन वर्कर्स ट्रेनिंग के लिए 6 परिभाषित लघु पाठ्यक्रमों पर डिजिटल लर्निंग संसोधनों तक पहुंच को सक्षम बनाना
  b. सरकार के आईगॉट (आईजीओटी) ऐप-दीक्षा पोर्टल तक पहुंच। कोविड के दौरान टीवीईटी, शिक्षण और ऑनलाइन सीखने के प्रबंधन पर आईएलओ के दिशानिर्देश
  c. कोविड-19 संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए अमेज़न के साथ साझेदारी की
  d. कौशल परितंत्र के लिए कोविड-19 की दूसरी लहर पर जागरूकता और सजगता वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार का उद्देश्य महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कोविड-19 प्रबंधन पर सही जानकारी का प्रसार करना है। वेबिनार में प्रशिक्षकों, छात्रों, एसएससी सदस्यों, प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारियों सहित 450 से अधिक उम्मीदवारों की भागीदारी देखी गई।

- **भारतीय युवाओं को 21वीं सदी के कौशल के प्रति जागरूक बनाना ताकि उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके**

  a. एनएसडीसी और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) ने ईस्किल इंडिया के माध्यम से रोजगार योग्यता बढ़ाने के लिए डिजिटल पाठ्यक्रम की पेशकश करके एक लाख भारतीय युवाओं के रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए कौशल भारत मिशन से हाथ मिलाया।
  b. ईस्किल इंडिया के माध्यम से पावरलिंक्स के लिए 400 उम्मीदवारों की डिजिटल स्किलिंग सक्षम किया ग जिससे वंचित ों को विशिष्ट पर लखनऊ, ब और

वाराणसी में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

c. एनटीपीसी से जुड़े 3040 उम्मीदवारों और एसबीआई कार्ड वाले 240 उम्मीदवारों को ऑनलाइन मूल्यांकन और ई-प्रमाणन के साथ रोजगार बढ़ाने वाली किट पर प्रतिपूर्ति योग्य डिजिटल कौशल प्रदान किया गया।

d. ईस्किल इंडिया ने नेशनल स्टार कॉलेज, यूके और एफसीडीओ-यूके के सहयोग से मुफ्त में सुलभ 'दिव्यांग लोगों के प्रति संवेदनशीलता' पर ई-लर्निंग मॉड्यूल लॉन्च किया है। प्रबंधन, शिक्षण, प्रशिक्षण, और मूल्यांकन क्षेत्र में काम करने वालों, सहायक भूमिकाओं के साथ-साथ नियोक्ताओं, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, सहकर्मियों, सहपाठियों और दिव्यांग लोगों के साथ काम करने वाले संगठनात्मक हस्तियों को सशक्त बनाने के लिए आठ ई-लर्निंग मॉड्यूल डिज़ाइन किए गए हैं।

ईस्किल इंडिया ने विभिन्न वेबिनार आयोजित करके डिजिटल स्किलिंग को बढ़ावा दिया:

a. **छात्रों और प्रशिक्षकों के लिए लाइव डिजिटल स्किलिंग सत्र आयोजित किए गए** ताकि उन्हें अपने सेंटर-बैच लर्निंग प्रोग्रेस को बढ़ाने के लिए एकत्र किए गए डिजिटल शिक्षण संसाधनों की समृद्ध विविधता के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिल सके। इसे ईस्किल इंडिया पोर्टल और इसके मोबाइल ऐप के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। इन सत्रों ने छात्रों और प्रशिक्षकों सहित 2500 से अधिक उम्मीदवारों को लाभान्वित किया।

b. स्टेट एंगेजमेंट ऑफिसर्स (एसईओ) के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इससे वे अपने संबंधित राज्यों में ईस्किल इंडिया के माध्यम से डिजिटल स्किलिंग का लाभ उठा सकेंगे।

नए रोजगार कौशल पाठ्यक्रम और सामग्री का शुभारंभ

एमएसडीई के मार्गदर्शन में क्वेस्ट एलायंस टीम के सहयोग से विकसित नया रोजगार कौशल पाठ्यक्रम आज 'शिक्षक पर्व 2022' में शिक्षा राज्य मंत्रियों द्वारा लॉन्च किया गया। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को तीन प्रमुख लाभ प्रदान करेगा: स्व-शिक्षण मानसिकता का निर्माण, महामारी के बाद की दुनिया में करियर के लिए तैयार होना, और नए करियर के बारे में जागरूकता विकसित करना और 21वीं सदी के कौशल से लैस होना। एमएसडीई परितंत्र में इसका उपयोग किया जाएगा।

ई-पुस्तकें एनएसडीसी के ईस्किलइंडिया पोर्टल पर भी उपलब्ध कराई गईं। ई-लर्निंग सामग्री जल्द ही एनएसडीसी के ई-लर्निंग मॉड्यूल के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।

3. **उद्योग के अनुरूप बाजार-आधारित मांग-संचालित कौशल 4.0 :**

- सरकार का ड्रोन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी), कृत्रिम बुद्धिमता और मशीन लर्निंग (एआई एंड एमएल), 5जी प्रौद्योगिकी, मेकैट्रॉनिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉक श्रृंखला, विस्तारित वास्तविकता (एक्सआर) जिसमें अन्य चीजों के साथ संवर्धित और आभासी वास्तविकता, साइबर सुरक्षा, 3डी प्रिंटिंग, वीएलएसआई डिज़ाइन शामिल हैं, जैसे क्षेत्र में भविष्य के कौशल के विकास पर विशेष ध्यान है। ये सब अर्थव्यवस्था को एक विनिर्माण और सेव ... क के रूप में अ ... ढ़ाएंगे।

- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने भारतीय कृषि वानिकी विकास सहकारी (इफको) और डब्ल्यूओडब्ल्यू फैक्टर्स इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि नैनो यूरिया और अन्य जैविक खाद जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के लिए ड्रोन का उपयोग करने और उसे बढ़ावा देने के लिए किसानों और अन्य उम्मीदवारों को कुशल बनाने के विकल्प तलाशे जा सकें। समझौता ज्ञापन ड्रोन और एआई-आधारित निर्णय समर्थन प्रणालियों सहित नई तकनीक के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो रासायनिक उर्वरकों और कम लागत वाले जैविक खादों के प्रयोग को कम करने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य नवाचारों के लिए स्टार्ट-अप का साथ देना, उत्पादकता बढ़ाने में मदद करना और किसानों की स्थिति में सुधार के लिए अत्यधिक योगदान देना भी है।

4. **महिला सशक्तिकरण के लिए स्किल इंडिया**

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी कार्यक्रम 'मिशन कर्मयोगी' के अनुरूप, कौशल मंत्रालय ने "मेरी सुरक्षा, मेरी जिम्मेदारी" कार्यक्रम के तहत महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया है।
- एमएसडीई ने स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस और लेजर स्किल्स काउंसिल के साथ एक समझौता किया था। इसके तहत 10 हजार कामकाजी महिलाओं और आईटीआई की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- एमएसडीई ने 'अनविमैन' के साथ मिलकर 16 दिवसीय मॉड्यूल जेंडर सेंसिटाइजेशन पॉश (पीओएसएच) कार्यशाला का आयोजन किया

5. **प्रशिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देना: कौशल विकास के सबसे स्थायी स्वरूपों में से एक**

- एमएसडीई ने प्रशिक्षुता के संबंध में काम को आसान बनाने के लिए प्रक्रियाओं के संबंध में व्यापक सरलीकरण सुधार किए।
- जुलाई 2022 से पायलट डीबीटी चल रहा है। अब तक 15.6 करोड़ रुपये मूल्य के 1.08 लाख से अधिक डीबीटी का लेनदेन हुआ। पैन इंडिया डीबीटी अगले साल से शुरू होगा।
- बीटीपी, एनएपीएस दिशानिर्देशों, वैकल्पिक व्यापार पाठ्यक्रम युक्तिकरण, परीक्षा और पोर्टल प्रक्रियाओं में प्रमुख प्रशिक्षुता सुधार किए गए। इस संबंध में सात कार्यालय ज्ञापन जारी किए गए ।

6. उद्यमिता को बढ़ावा देना

- 48,700 कार्यक्रमों के माध्यम से 12.88 लाख प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और उद्यमशीलता विकास के प्रोत्साहन, समर्थन और निरंतरता के क्षेत्रों पर कार्यक्रम शामिल हैं। इसमें 145 देशों के 5134 अंतर्राष्ट्रीय उम्मीदवार शामिल हैं।

- फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटी एंड वेलनेस, मोबाइल मरम्मत, खाद्य प्रसंस्करण और इलेक्ट्रिकल तथा घरेलू उपकरणों के क्षेत्रों में प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण और ऊष्मायन सहायता प्रदान करने वाले 5 आजीविका व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र खोले गए।

- प्रधानमंत्री युवा योजना (पीएम-युवा) के माध्यम से 991 नए उद्यमों का सृजन किया गया और 1071 मौजूदा उद्यमों का विस्तार किया गया।

- वाराणसी, हरिद्वार, और पंढरपुर जैसे पवित्र शहरों में उद्यमिता विकास पर पायलट परियोजना मौजूदा आजीविका गतिविधियों की बहाली के माध्यम से मंदिर शहर की उद्यमशीलता गतिविधियों को उत्प्रेरित करने के लिए और मौजूदा उद्यम को बढ़ाने तथा संभावित उद्यमियों की पहचान करने के लिए शुरू की गई जिसमें उद्यमों की स्थापना और उनका प्रबंधन भी शामिल है।

- ऑ न ई-सलाह मंच मदिशा" इच्छुक मौजूदा उद्यमि का मार्गदर्शन क और

ऑनलाइन सलाह सेवाओं की सुविधा के लिए विकसित किया गया है।

एनआईईएसबीयूडी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत उद्यमशीलता के बारे में जागरूकता पैदा करने और लाभार्थियों की उद्यमशीलता यात्रा को प्रदर्शित करने के लिए यू-ट्यूब चैनल "पीएम-उद्यमी वार्ता" लॉन्च किया गया था।

- ओडिशा के 10 आकांक्षी जिलों में 2020 महिलाओं को शामिल करने वाली महिला स्वयं सहायता समूहों (डब्ल्यूएसएचजी) के लिए डिजिटल मार्केटिंग और महिला उद्यमिता विकास पर परियोजना शुरू की गई ताकि उन्हें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके।
- एनआईईएसबीयूडी को योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) की मदद करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय संसाधन संगठन (एनआरओ) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की जेलों में क्षमता निर्माण, सलाह और मदद के माध्यम से जेल के कैदियों के बीच उद्यमिता की भावना पैदा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए परियोजना शुरू की गई थी।
- प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के प्रायोजन के तहत सरकारी और निजी आईटीआई के प्रशिक्षकों/अनुदेशकों के लिए प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।
- सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त होने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों की योग्यता/कौशल को बढ़ाने के लिए उनके लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम और उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम चलाए गए ताकि वे अपना उद्यम शुरू कर सकें और इस प्रकार अपनी सेवानिवृत्ति के बाद उपयुक्त रोजगार की तलाश कर सकें।
- उद्यमिता विकास शिक्षा में एकरूपता और मानकीकरण लाने के लिए उद्यमिता शिक्षा पर राष्ट्रीय स्तर की सामग्री का विकास और आईटीआई, पॉलिटेक्निक, जेएसएस, बेरोजगार युवाओं और समुदाय की महिलाओं सहित पहली पीढ़ी के उद्यमियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना ।
- प्रदर्शनियों, मेलों और हाटों के दौरान कारीगरों की व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण, सलाह और सहायता प्रदान करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न लक्षित समूहों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन लक्षित समूहों में प्रवासी, आदिवासी, महिलाएं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ट्रांसजेंडर और कचरा बीनने वालों को शामिल किया गया है।
- एनआईईएसबीयूडी ने देश भर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए एनएसटीआई में 21 विस्तार केंद्र स्थापित किए हैं।

7. **जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) के माध्यम से ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना**

जन शिक्षण संस्थान (केंद्रीय क्षेत्र योजना) की योजना गैर-साक्षर, नव-साक्षर, शिक्षा के अल्पविकसित स्तर वाले व्यक्ति, 15-45 वर्ष के आयु वर्ग में 12 वीं कक्षा तक स्कूल छोड़ने वालों को गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से ग्रामीण/शहरी/सुदूर अगम्य क्षेत्रों में लाभार्थी के घर तक व्यावसायिक कौशल/प्रशिक्षण प्रदान करती है।

जेएसएस योजना के तहत प्रशिक्षित किए गए लाभार्थियों की संख्या निम्नलिखित है (19 अक्टूबर

2022 तक) जिसमें 85% महिला लाभार्थी शामिल हैं।

संदर्भ के लिए डेटा:

लाभार्थियों का प्रशिक्षण वर्ष	लाभार्थियों की संख्या
2021-22	4,61,996
2022-23*	1,27,671
कुल	28,47,624

8. राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना (एनएसक्यूएफ):

- 21 क्षेत्रों में 125 राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। संरचना को गतिशील उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ा गया है जिसमें एनएसक्यूएफ संरेखण और अनुमोदन मानकों, प्रक्रियाओं, टेम्पलेट्स और प्रक्रियाओं को कौशल केंद्रों में स्कूलों और असंगठित क्षेत्रों सहित उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहुत सरल, मानकीकृत और संशोधित किया गया।

9. **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और प्रशिक्षण:**

अंतर्राष्ट्रीय कौशल अनुबंध - ऑस्ट्रेलिया, बेलारूस, चीन, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कतर, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम (यूके) जैसे 11 से अधिक देशों के साथ कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में जी2जी और बी2बी समझौता ज्ञापनों/समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसमें अंतर्राष्ट्रीय कार्यबल की गतिशीलता, भारतीय टीवीईटी के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, कौशल इको सिस्टम में सामंजस्य बनाने, उभरते टीवीईटी सिस्टम और क्षमता निर्माण के साथ ज्ञान साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कौशल भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (एसआईआईसी) का पैनल जो उम्मीदवारों की सोर्सिंग, परामर्श, प्रशिक्षण, मूल्यांकन, प्रमाणन, भर्ती और आप्रवासन की सुविधा के माध्यम से विदेशी मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अब तक दो केंद्र एक भुवनेश्वर में और दूसरा वाराणसी में स्थापित किए गए हैं।

एनएसडीसीआई ने हाल ही में 16 गंतव्य देशों (2022-2027) में श्रमबल की मांग का आकलन करने के लिए अध्ययन किया है। विश्लेषण के आधार पर, यह बताया गया है कि आने वाले वर्षों में रोजगार और उच्च गुणवत्ता वाले कुशल कार्यबल प्रमुख चुनौती होगी। इसे देखते हुए भारतीय कार्यबल के लिए अवसरों की मैपिंग करने की आवश्यकता है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब का साम्राज्य, कतर और जर्मनी भविष्य में सबसे कुशल कार्यबल की मांग करने वाले शीर्ष देश होंगे।

भारत ने विश्व कौशल प्रतियोगिता 2022 (डब्ल्यूएससी 2022) में 2019 में 13वें स्थान की तुलना में 2022 में 11वां स्थान हासिल किया, जिसमें 2 रजत पदक, 3 कांस्य पदक और 13 उत्कृष्टता पदक जीते। यह जीत प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के बारे में कौशल परितंत्र में युवाओं, प्रशिक्षकों और अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने की प्रेरणा देती है जो युवाओं में कौ ढ़ाने को लेकर पैदा करने और योगिताओं के म से कौशल में ता

हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

पेटिसरी और कन्फेक्शनरी स्किल में एक रजत पदक, होटल रिसेप्शन स्किल में एक कांस्य पदक और हेयरड्रेसिंग और हेल्थ एंड सोशल केयर स्किल में उत्कृष्टता के लिए दो मेडल जीतना हमारी महिला प्रतिद्वंद्वियों का असाधारण प्रदर्शन था। विजेताओं में नंदिता सक्सेना ने पेटिसरी और कन्फेक्शनरी व्यापार में रजत पदक जीता और अनुश्री श्रीनिवासन ने होटल रिसेप्शन कौशल में कांस्य पदक जीता। आईटीआई योग्यता प्राप्त प्रतियोगियों ने ऑटोबॉडी मरम्मत और ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकी कौशल में उत्कृष्टता के लिए 2 पदक जीतने के अलावा प्रोटोटाइप मॉडलिंग और मेक्ट्रोनिक्स कौशल में प्रत्येक में एक-एक पदक जीतकर (2 कांस्य पदक) उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। भारत ने रजत पदक जीतकर जल प्रौद्योगिकी कौशल में अपना दबदबा कायम रखा।

****

एजी/एएम/एके/एजे

(Release ID: 1887840) Visitor Counter : 140

Read this release in: English , Assamese , Tamil , Malayalam